और सवाई माधोपुर में पिछले पांच वर्षों में आए विदेशी पर्यटकों की संख्या नीचे दी गई है :—

वर्ष	विदेशी पर्यटक आगमन	
	राजस्थान	सवाई माधोपुर
1987	318260	1197 (अ)
1988	366287	2557
1989	414572	3607
1990	417641	5059
1991	495150	10274

(अ)—अनुमानित

पर्यटन से हुई विदेशी आय के अनुमान के आंकड़े राज्यवार और स्थानवार नहीं रखे जाते हैं ।

(ख) जी, हां । पिछले दो वर्षों में सवाई माधोपुर में एक पर्यटक परिसर और रणथम्भौर दुर्ग में शौचालय खण्ड के निर्माण के लिए केन्द्र सरकार द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की गई थी ।

(ग) जी, हां । पर्यावरण विभाग और राज्य सरकार द्वारा रणथम्भौर में बाघों की सुरक्षा के लिए कदम उठाए जा रहे हैं ।

Expenditure incurred on Advertisement by Department of Tourism

1873. SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) what has been the quantum of print publicity budget sanctioned by Government for the Department of Tourism during Seventh Plan period annually and upto March, 1992;

(b) whether it is a fact that since 1985-86 onwards due to the high-handedness of certain officials of DOT the larger share of above mentioned print publicity budget of DOT, was not utilised/spent through ITDC as was in the earlier years since 1970-71 to 1984-85;

(c) if so, what are the details and reasons for spending the larger share of DOT budget through private parties in preference to ITDC; and

(d) whether Government's plan for spending the DOT print publicity budget for 1992-93 onwards through ITDC?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) The information is given below:—

Year	*Budget sanctioned*
1987-8	Rs. 275.00 lakhs
1988-89	Rs. 359.00 lakhs
1989-90	Rs. 591.00 lakhs
1990-91	Rs. 450.00 lakhs
1991-92	Rs. 450.00 lakhs

(b) and (c) Due to increased work load as well as budgetary allocations, a decision was taken in 1985-86 that the ITDC could not single-handedly manage the quantum of work within schedules and specifications and, therefore, assistance of other agencies was necessary.

(d) No, Sir.

Plant to Boost Tourism Through Nepal Border

1874. SHRI S. S. AHLUWALIA: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether Government have prepared any plan to boost tourism between India and Nepal through the Indo-Nepal borders in Bihar in view of the open borders between the two countries;

(b) if so, whether Government have sought the co-operation from Nepal in this regard;

(c) if so, what are the details thereof and if not, the reasons therefor; and

(d) whether Government propose to provide Yatri Niwas like facilities alongwith a good network of transport on the Indo-Nepal border in Bihar to attract more domestic and foreign tourists in Bihar and through it to Nepal?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) No Sir.

(b) and (c) Does not arise.

(d) The development of tourism is primarily the responsibility of the State Governments. The Department of Tourism extends financial assistance on specific projects for augmentation of tourism infrastructure based on their merit, availability of funds and *inter-se* priority. However, no proposal in this respect has been received from Bihar Government.

हवाई पट्टियों के विकास के लिए धनराशि का आबंटन

1875. **श्री महेश्वर सिंह :** क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में विभिन्न हवाई पट्टियों के विकास के लिए 1992–93 के दौरान उपलब्ध कराई गई 126.02 करोड़ रुपए की धनराशि का विधिवत आबंटन कर दिया गया है ;

(ख) यदि हां, तो किन किन हवाई पट्टियों के लिए कितनी-कितनी धनराशि आबंटित की गई है ;

(ग) यदि उपर्युक्त भाग (ख) का उत्तर "ना" हो, तो इस संबंध में विलंब के क्या कारण हैं; और

(घ) यह धनराशि कब तक आबंटित किये जाने की संभावना है ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया) : (क) दिल्ली, बंबई, कलकत्ता और मद्रास हवाई अड्डों को छोड़कर, सभी हवाई अड्डों के समग्र विकास के लिए 126.02 करोड़ रुपए की राशि वर्ष 1992–93 के दौरान विभिन्न हवाई अड्डों के धावन पथों के विकास के लिए लगभग 23.55 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है ।

(ख) धावनपथों तथा प्रत्येक के लिए आबंटित निधियों को दर्शाता हुआ ब्यौरे का एक विवरण संलग्न है । **(नीचे देखिए**

(ग) और (घ) ये प्रश्न नहीं उठते हैं ।

विवरण

1–अंतर्देशीय हवाई अड्डे

क्र०सं०	हवाई अड्डे का नाम	अंतर्देशीय हवाई अड्डे 1992–93 के दौरान आबंटन (लाख रुपए)
1	2	3
1.	अगरतल्ला	75.00
2.	औरंगाबाद	60.00
3.	बड़ौदा	45.00
4.	चण्डीगढ़	5.00
5.	कोच्चिन	67.00
6.	कोयम्बतूर	25.00
7.	गुवाहाटी	40.00
8.	हैदराबाद	61.00
9.	इम्फाल	25.00
10.	इंदौर	160.00
11.	जयपुर	89.00
12.	लीलाबाड़ी	40.00
13.	जबलपुर	100.00
14.	खजुराहो	20.00
15.	लखनऊ	166.00
16.	लुधियाना	100.00
17.	नागपुर	63.00
18.	पंतनगर	50.00
19.	पटना	120.00